

गंगा कनेक्ट प्रदर्शनी: यूनाइटेड कगिडम

प्रलिस के लयः

कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़, गंगा कनेक्ट प्रदर्शनी

मेन्स के लयः

नदी संरक्षण हेतु भारत-ब्रटिन साझेदारी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 25 नवंबर, 2021 को लंदन में गंगा कनेक्ट प्रदर्शनी का समापन हुआ।

- 12 नवंबर, 2021 को COP-26 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़) की सफल परणतके बाद स्कॉटलैंड के ग्लासगो में इसका उदघाटन कयल गयल।
- प्रदर्शनी के दौरान 10 प्रमुख रणनीतके पहलों की घोषणा की गई।

प्रमुख बडु

परचयः

- यह एक वैश्वके प्रदर्शनी है, जो नदी बेसलन के कई पहलुओं को प्रदर्शत करेगी।
- यह स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मशलन, भारतीय उच्चायग और सी-गंगा (गंगा नदी बेसलन प्रबंधन और अधययन केंद्र) का एक प्रमुख प्रयास है, जसका उद्देश्य वैज्ञानकों, प्रौद्योगके कंपनयों, नीतलनरमाताओं, उद्योग के अंतरराष्ट्रीय समुदाय, नवलशक और वतत पेशेवरों को जोड़ना है।

उद्देश्यः

- पर्यावरण हतधारकों के वैश्वके समुदाय के लयल गंगा नदी बेसलन में वकलस के स्तर को प्रदर्शत करना।

महत्त्वः

- जागरूकता पैदा करना:**
 - यह गंगा और उसके पारसथतके तंत्र के संरक्षण तथा नदी बेसलन के वषय में व्यापक जागरूकता पैदा करने की दृष्टसे महत्त्वपूर्ण है।
 - यह नदी के साथ भारतीयों के गहरे आध्यात्मके और दारशनके जुड़ाव को प्रदर्शत करती है।
- पारसथतके तंत्र को समझना:**
 - गंगा कनेक्ट प्रदर्शनी गंगा नदी के पारसथतके तंत्र के आकार, परमाण और जटलता की स्पष्ट एवं गहरी समझ प्रदान करती है।
- सहभागता हेतु सकषम बनाना:**
 - यह उन इच्छुक पारटयों और डायस्पारा के साथ जुड़ाव को सकषम बनाती है, जो नदी प्रणाली के कायाकल्प, बहाली और संरक्षण में शामिल होना चाहते हैं।
- पर्यावरणीय समाधानों का वकलस:**
 - यह वैश्वके प्रौद्योगके और वैज्ञानके समुदाय के लयल अत्याधुनके पर्यावरणीय समाधान वकलसत करने हेतु एक प्रमुख प्रयोगशाला के रूप में गंगा नदी पर ज़ोर देती है।

प्रमुख घोषतल पहलें

गंगा कनेक्ट यूके कमयुनटी एंगेजमेंट चैप्टरः

- सथापतल चैप्टर हैं:** स्कॉटलैंड-गंगा कनेक्ट, वेल्स-गंगा कनेक्ट, मडलैंड्स-गंगा कनेक्ट, लंदन-गंगा कनेक्ट।
- प्रत्येक चैप्टर में संयोजक होंगे, जो वैज्ञानकों, प्रौद्योगके कंपनयों, नवलशकों और समुदाय के सदस्यों सहतल वभलनन हतल समूहों को

नमामा गिंगे कार्यक्रम से जोड़ेंगे।

- **नदियों को संलग्न करना:**
 - सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रमों सहित नदी बेसिन प्रबंधन के ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने की घोषणा की गई है।
- **स्कॉटलैंड-भारत जल भागीदारी:**
 - यह साझेदारी स्वच्छ गंगा के लिये राष्ट्रीय मशिन और वर्ष 2017 के स्कॉटलैंड सरकार के समझौता ज्ञापन पर आधारित है।
 - यह भारतीय बाज़ार में प्रवेश करने के लिये पानी में विशेषज्ञता वाली स्कॉटिश संस्थाओं के बीच उच्च स्तर की रुचि को प्रसारित करेगा और नमामा गिंगे कार्यक्रम स्कॉटिश संस्थाओं के लिये भारतीय बाज़ार में प्रवेश करने हेतु एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करेगा।
- **अर्थ गंगा फरेमवर्क के उपयोग हेतु प्रभावी परियोजना:**
 - गंगा नदी के किनारे एक चुनदा क्षेत्र में प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ उत्पन्न करने के लिये एक प्रमुख प्रभावी परियोजना की कल्पना की गई है। इस पहल से आजीविका के महत्त्वपूर्ण अवसर उत्पन्न होंगे और नई आर्थिक गतिविधियाँ होंगी तथा इस प्रकार से पर्यावरण के दृष्टिकोण से दीर्घकालिक विकास का मॉडल सुनिश्चित होगा।
 - इस पहल में दीर्घकालिक पर्यटन, रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, चरिस्थायी ट्रांसपोर्ट और अन्य गतिविधियों जैसे कई पहलू शामिल होंगे। इस परियोजना को ग्लासगो में क्लाइड नदी के कायाकल्प और आर्थिक विकास के मॉडल पर वकिसति कथिा जाएगा। इसका नेतृत्व सट्टी ऑफ ग्लासगो कॉलेज तथा स्ट्रैथकलाइड यूनिवर्सिटी द्वारा कथिा जाएगा।
- **गंगा वलित और नविश मंच:**
 - गंगा वलित और नविश मंच (जीएफआईएफ) की स्थापना के लिये कई नविशक और वलितिय कंपनियों एकजुट हो गई हैं। यह समूह रिवर बॉन्ड, ब्लू बॉन्ड्स, इम्पैक्ट एंड आउटकम बॉन्ड्स, क्रेडिट एन्हांसमेंट और गारंटी इंस्ट्रूमेंट्स जैसे वलितिय उपकरणों को वकिसति करेगा। वे दुनिया भर से नमामा गिंगे कार्यक्रम में नविश को बढ़ाने के लिये विशेषज्ञ व्यवस्था स्थापति करेंगे।
 - यह समूह इकोसिस्टम संरक्षण में दीर्घकालिक नविश को स्थापति करने के लिये अपनी तरह का पहला नदी जैव वलितिा और संरक्षण बॉन्ड वकिसति करने पर सहमत हो गया है। यह वभिनिन पहलों के लिये नरितर वलितपोषण और परियोजना वलित के लिये एनएमसीजी व नमामा गिंगे कार्यक्रम को सहायता प्रदान करेगा।
- **पर्यावरण प्रौद्योगिकी सत्यापन (ईटीवी) कार्यक्रम में नामांकित प्रौद्योगिकियाँ:**
 - ईटीवी कार्यक्रम के नरितर वसितार में तीन अभनिव प्रौद्योगिकी कंपनियों का चयन कथिा गया है और ईटीवी कार्यक्रम पर ऑन-बोर्ड कथिा गया है।
 - यह ईटीवी कार्यक्रम में कंपनियों की कुल संख्या को बढ़ाकर 40 से ज़्यादा कर देता है जनिमें से 14 कंपनियाँ बरटिन से हैं।
- **टेक एंड इनोवेशन फाइनेंसिंग:**
 - सफल उम्मीदवारों को समर्थन प्रदान करने के लिये लंदन स्टॉक एक्सचेंज के एआईएम सेगमेंट में सूचीबद्ध कंपनी ओपीजी पावर वेंचर्स के साथ एक साझेदारी स्थापति की जा रही है जो प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का वलितपोषण करने के लिये 3 मिलियन GBP (30 करोड़ रुपए) की सुवधिा प्रदान करेगी।
- **यूके-इंडिया वैज्ञानिक सहयोग:**
 - कई वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थान वैज्ञानिक एवं तकनीकी वचिरों का आदान-प्रदान करने के लिये ज्ञान पूल बनाने हेतु एक साथ आने पर सहमत हुए हैं जसिसे सहयोगी अनुसंधान का विकास हुआ है।
- **भारत और बरटिन के बीच सहयोग सेतु:**
 - वैज्ञानिकों ने नदी प्रणालियों का कायाकल्प, जैव वलितिा का संरक्षण, पारसिथितिकी प्रणालियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नपिटने के उपायों और आर्थिक विकास के लिये चरिस्थायी मॉडल बनाने हेतु चल रहे नवाचारों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमतिा व्यक्त की है।
- **ग्लोबल यूथ फॉर गंगा:**
 - यह स्वच्छ गंगा और सभी नदियों के लिये बड़े पैमाने पर ज्ञान और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने के लिये एक साझा अभियान पर आधारित भारत व अन्य देशों के युवाओं का एक संघ होगा। यह संघ अंतःवषियक चर्चाओं में शामिल होगा, पूरी दुनिया में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही स्वच्छ गंगा मशिन में सहयोग को प्रोत्साहित करेगा तथा दुनिया में युवा छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों को एक साथ लाएगा।
 - इसका उद्देश्य स्वच्छ गंगा को हकीकत बनाना और बाकी दुनिया को भी अपने राज्यों में ज़मीनी स्तर तक इसी प्रकार की पहल करने के लिये प्रेरित करना है। युवाओं द्वारा सशक्त मशिन एक ऐसा अभियान है जो आने वाली भावी पीढ़ियों के विकास में सहायक हो सकता है।
- **क्लीन गंगा चैरिटी:**
 - चैरिटी स्थापति करने की प्रक्रिया को तेज़ कथिा गया है और आने वाले महीनों में गंगा से जुड़े समुदायों और मतिरों को संगठित करने के उद्देश्य से जल्द ही इसकी स्थापना की जाएगी।

स्रोत: पीआईबी